



बिहार गजट

असाधारण अंक

बिहार सरकार द्वारा प्रकाशित

9 आश्विन 1935 (श0)

(सं0 पटना 773)

पटना, मंगलवार, 1 अक्टूबर 2013

जल संसाधन विभाग

अधिसूचना

18 जुलाई 2013

सं0 22/नि0सि0(पू0)01-13/2006/838—श्री किशोर कुमार पासवान, तत्कालीन अवर प्रमण्डल पदाधिकारी, जल निस्सरण एवं अनुसंधान अवर प्रमण्डल, अररिया, शि0—कसबा के विरुद्ध मुख्य अभियन्ता, जल संसाधन विभाग, पूर्णिया के पत्रांक 3326 दिनांक 24.2.06 द्वारा प्रतिवेदित कतिपय आरोपों यथा आदतन बिना अनुमति के लम्बे लम्बे समय तक अपने कार्य एवं मुख्यालय से अनुपस्थित रहने इत्यादि के लिए विभागीय पत्रांक 284 दिनांक 29.3.07 द्वारा श्री पासवान से स्पष्टीकरण पूछा गया। कई स्मारों एवं प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से निदेशित किये जाने के बावजूद श्री पासवान से स्पष्टीकरण का जबाब अप्राप्त रहा। तत्पश्चात मुख्य अभियन्ता, पूर्णिया के प्रतिवेदन के आलोक में समीक्षोपरान्त विभागीय संकल्प ज्ञापांक 290 दिनांक 20.3.12 द्वारा निम्नांकित गठित आरोपों के लिए श्री किशोर कुमार पासवान, तत्कालीन अवर प्रमण्डल पदाधिकारी (सहायक अभियन्ता) के विरुद्ध बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण नियंत्रण एवं अपील) नियमावली 2005 के नियम-17(2) के तहत विभागीय कार्यवाही प्रारम्भ की गयी:—

1. कार्यपालक अभियन्ता, जल निस्सरण एवं अनुसंधान प्रमण्डल, पूर्णिया द्वारा निम्नांकित तिथियों को आपको अनुपस्थित पाया गया:—

(क) प्रभार ग्रहण करने के पश्चात दिनांक 18.8.06 तक

(ख) दिनांक 5.5.06 से 23.5.06 तक

(ग) दिनांक 24.6.06 को

उक्त अनुपस्थिति के लिए कार्यपालक अभियन्ता ने आपसे स्पष्टीकरण पूछा। परन्तु स्मारित करने के बावजूद स्पष्टीकरण का जबाब आपके द्वारा नहीं दिया गया।

2. कार्यपालक अभियन्ता द्वारा जब जब खोज आपकी की गई या औचक निरीक्षण किया गया आप अनुपस्थित पाये गये।

3. दिनांक 7.8.06 को अधीक्षण अभियन्ता, जल निस्सरण अंचल, पूर्णिया द्वारा खोज करने पर मुख्यालय से अनुपस्थित पाया जाना एवं कार्य में रुचि नहीं लेना।

4. आदतन बिना अनुमति के लम्बे लम्बे समय तक अपने कार्य एवं मुख्यालय से अनुपस्थित रहने के कारण सरकारी कार्यों के सम्पादन में बाधा उत्पन्न करना।

5. विभागीय स्तर से पूछे गये स्पष्टीकरण का जबाब अनेकों बार स्मारित करने के बावजूद भी नहीं देना।

6. बगैर अनुमति के मुख्यालय से अनाधिकृत अनुपस्थित रहने संबंधी आरोपों के लिए पूछे गये स्पष्टीकरण का जबाव समर्पित करने हेतु विभिन्न समाचार पत्रों से प्रेस विज्ञप्ति भी प्रकाशित की गई। परन्तु उसके बाद भी स्पष्टीकरण का जबाव नहीं देना।

अतः आदतन बिना अनुमति के लम्बे लम्बे समय तक मुख्यालय एवं कार्यस्थल से अनुपस्थित रहने/उच्चाधिकारियों एवं विभागीय आदेश की अवहेलना करने सरकारी कामकाज में उदासीनता बरतने एवं कार्य को अवरुद्ध करने इत्यादि गंभीर कदाचार के लिए आप दोषी प्रतीत होते हैं।

विभागीय कार्यवाही में संचालन पदाधिकारी द्वारा जाँच प्रतिवेदन समर्पित किया गया। संचालन पदाधिकारी द्वारा समर्पित जाँच प्रतिवेदन में आरोपों को प्रमाणित पाया गया।

जाँच प्रतिवेदन की समीक्षा सरकार के स्तर पर की गयी। जिसमें निम्न तथ्य पाये गये:-

1. दिनांक 5.5.06 से 23.5.06 तक अनाधिकृत अनुपस्थिति के संबंध में आरोपित पदाधिकारी का कहना है कि दिनांक 5.5.06 को मुख्यालय छोड़ने के बाद पुनः बीमार पड़ गये। स्वस्थ होने के बाद दिनांक 24.5.06 को अपने मुख्यालय में योगदान किये।

संचालन पदाधिकारी के अनुसार आवेदक का कोई साक्ष्य उनके बयान के साथ संलग्न नहीं रहने के कारण उनका बचाव बयान संतोषप्रद नहीं पाया गया जिसके लिए श्री पासवान दोषी है।

2. दिनांक 24.6.06 की अनुपस्थिति के लिए कार्यपालक अभियन्ता द्वारा पूछे गये स्पष्टीकरण का जबाव स्मार देने के बावजूद नहीं देने के संबंध में आरोपित पदाधिकारी द्वारा अपने बचाव बयान में स्पष्ट किया है कि वे दिनांक 23.6.06 को खाताहाट तटबंध स्थल से लौटने के बाद दिनांक 24.6.06 को मुख्यालय छोड़ने का एक आवेदन अपने कार्यालय में छोड़कर चिकित्सक से जाँच कराने बेतिया चले गये तथा दिनांक 25.6.06 को लौटे।

संचालन पदाधिकारी के अनुसार मुख्यालय छोड़ने का कोई साक्ष्य संलग्न नहीं किया गया तथा स्पष्टीकरण का जबाव भी समय से नहीं दिया गया। इस कारण उनका बचाव बयान संतोषप्रद नहीं पाया गया जिसके लिए वे दोषी है।

3. विभागीय स्तर से पूछे गये स्पष्टीकरण एवं समाचार पत्रों में प्रेस विज्ञप्ति प्रकाशन के बावजूद भी स्पष्टीकरण का जबाव नहीं देने के संबंध में संचालन पदाधिकारी के अनुसार बचाव बयान के साथ साक्ष्य के अभाव में आरोप प्रमाणित है जिसके लिए वे दोषी है।

सम्यक समीक्षोपरान्त उक्त प्रमाणित आरोपों के लिए श्री किशोर कुमार पासवान, तत्कालीन अवर प्रमण्डल पदाधिकारी (सहायक अभियन्ता) जल निस्सरण एवं अनुसंधान प्रमण्डल, अररिया को सरकार द्वारा निम्न दण्ड देने का निर्णय लिया गया है:-

1. दो वेतनवृद्धि पर असंचयात्मक प्रभाव से रोक।

सरकार के उक्त निर्णय के आलोक में श्री किशोर कुमार पासवान, तत्कालीन अवर प्रमण्डल पदाधिकारी, जल निस्सरण एवं अनुसंधान अवर प्रमण्डल, अररिया, शि0-कसबा को निम्न दण्ड संसूचित किया जाता है:-

1. दो वेतनवृद्धि पर असंचयात्मक प्रभाव से रोक।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
मोहन पासवान,
सरकार के अवर सचिव।

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय,
बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित।
बिहार गजट (असाधारण) 773-571+10-डी0टी0पी0।
Website: <http://egazette.bih.nic.in>